

**उपरिभूस्तारी वि.** (तत्.) भूधरातल पर फैलने वाला प्ररोह, जैसे दूब, पुदीना आदि। runner

**उपरिमंडल पुं.** (तत्.) ऊपर वाला मंडल भूवि. कायांतरण का ऊपरी क्षेत्र, जिसमें ताप, द्रवस्थैतिक दाब क्रमशः मध्यम और कम होते हैं और प्रतिबल stress बहुत अधिक दे. कायांतरण।

**उपरिराशि स्त्री.** (तत्.) अतिरिक्त राशि।

**उपरिलिखित वि.** (तत्.) ऊपर लिखा हुआ या छपा हुआ, पूर्ववर्णित।

**उपरिलेख पुं.** (तत्.) 1. किसी इबारत के ऊपर लिखना 2. प्रशा. लिफाफे पर पते आदि के अलावा ऊपर की तरफ विशेष रूप से कुछ लिखना। superscription

**उपरिलेखन-चिह्न पुं.** (तत्.) किसी कथन या रचना के शीर्षक या नाम को ज्यों का त्यों प्रस्तुत करने के लिए उस अंश से प्रारंभ और अंतमें ऊपर लगाने वाले चिह्न, जैसे- तिलक का नारा था 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है'।

**उपरिवर्णित वि.** (तत्.) जिसका वर्णन पहले (ऊपर) किया जा चुका है।

**उपरिव्यय पुं.** (तत्.) प्रशा./अर्थ. किसी व्यावसायिक प्रतिष्ठान को चलाने के लिए अनिवार्य खर्च जो उत्पादन बढ़ने-घटने से कम-ज्यादा नहीं होते। over heads

**उपरिश्रेणिक वि.** (तत्.) ऊँची श्रेणी का। उच्चस्तरीय।

**उपरिसमय पुं.** (तत्.) काम के लिए निर्धारित समय से अधिक समय तक काम करने की अवधि, अतिकाल, समयोपरि। over time

**उपरिसेतु पुं.** (तत्.) दे. उपरिपुल।

**उपरुद्ध वि.** (तत्.) 1. रोका हुआ, बाधित 2. घेरा हुआ 3. कैद किया हुआ 4. परेशान किया हुआ।

**उपरूप पुं.** (तत्.) भाषा. किसी रूपिम के वे सभी परिवेशगत वैकल्पिक रूप जो स्वनिक दृष्टि से

भिन्न हो, जैसे- 'घोड़ा' शब्द (रूपिम) के दो उपरूप हैं 'घोड़ा' और 'घुड़ा' (जैसे घुड़सवार में)।

**उपरूपक पुं.** (तत्.) एक प्रकार का छोटा नाटक, गौण रूपक।

**उपरोक्त वि.** (तत्.) दे. उपर्युक्त।

**उपरोध पुं.** (तत्.) 1. रोक, बाधा 2. परेशान करना, अड़चन करना 3. ढकना।

**उपरोधक वि.** (तत्.) उपरोध करने वाला।

**उपरोधन पुं.** (तत्.) 1. रोकने या अड़चन उत्पन्न करने की क्रिया या भाव 2. बाधा, रुकावट, विघ्न, अड़चन।

**उपरोधी वि.** (तत्.) रुकावट उत्पन्न करने वाला।

**उपरोहित पुं.** (देश.) पुरोहित, पूजा पाठ, पंडिताई।

**उपर्युक्त (उपरि+उक्त) वि.** (तत्.) ऊपर या पहले कहा हुआ, उपरोक्त।

**उपर्युपरि क्रि.वि.** (तत्.) क्रमशः ऊपर और ऊपर।

**उपल पुं.** (तत्.) 1. ओला; पत्थर 2. रत्न 3. बादल।

**उपलक्ष पुं.** (तत्.) दे. उपलक्ष्य।

**उपलक्षक वि.** (तत्.) दर्श. 1. अनुमाता, अनुमान करने वाला, 2. बोध कराने वाला, बोधक 3. काव्य. उपादान लक्षणा से युक्त (शब्द) दे. उपादान लक्षणा।

**उपलक्षण पुं.** (तत्.) 1. संकेत 2. काव्य. शब्द की वह शक्ति जिससे निर्दिष्ट वस्तु के अतिरिक्त उस तरह की और वस्तुओं का भी बोध हो 3. देखना 4. बोधक चिह्न।

**उपलक्षित वि.** (तत्.) 1. लक्ष्य किया हुआ 2. अच्छी तरह देखा हुआ 3. अनुमान किया हुआ 4. इशारे से बतलाया गया।

**उपलक्ष्य वि.** (तत्.) 1. लक्ष्य करने योग्य 2. अनुमान करने योग्य 3. वह विशेष बात या अवसर जिसे लक्षित करके अर्थात् ध्यान में